हरियाणा ने 'गोरख धंधा' शब्द के इस्तेमाल पर प्रतबिंध लगाने की अधसिूचना जारी की

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राज्य सरकार द्वारा राज्य में कसिी भी आधकिारकि संचार में '**गोरख धंधा**' शब्द के इस्तेमाल पर प्रतबिंध लगाने की अधसिूचना जारी की गई है।

प्रमुख बदिु

- इस अधसिूचना के बाद अब राज्य में कसिी भी राजभाषा, भाषण या कसिी भी संदर्भ में इस शब्द का प्रयोग पूरी तरह से प्रतबिंधति हो गया है।
- उल्लेखनीय है कि गोरखनाथ समुदाय के एक प्रतनिधिमिंडल ने मुख्यमंत्री से 'गोरख धंधा' शब्द के उपयोग पर प्रतबिंध लगाने का आग्रह करते हुए कहा था कि **यह संत गोरखनाथ के अनुयायियों की भावनाओं को आहत करता है।**
- इसी क्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अगस्त महीने में अनैतकि प्रथाओं का वर्णन करने के लयि आमतौर पर इस्तेमाल कयि जाने वाले 'गोरख धंधा' शब्द के इस्तेमाल पर प्रतबिंध लगाने की घोषणा की थी।
- वदिति हो कि **गुरु गोरखनाथ या गोरक्षनाथ नाथ योगी के एक संत थे।** इन्होंने पूरे भारत का भ्रमण कयि और अनेक ग्रंथों की रचना की। **गोरखनाथ जी का मंदरि उत्तर प्रदेश के गोरखपुर नगर में स्थति है। गोरखनाथ के नाम पर इस ज़लि का नाम गोरखपुर पड़ा है।** गोरखनाथ के शष्यि बाबा भैरौंनाथ थे, जनिका वध माता वैष्णोदेवी ने कयि था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/haryana-issues-notification-banning-use-of-word-gorakh-dhandha